



Mr.Akash kr. Singh



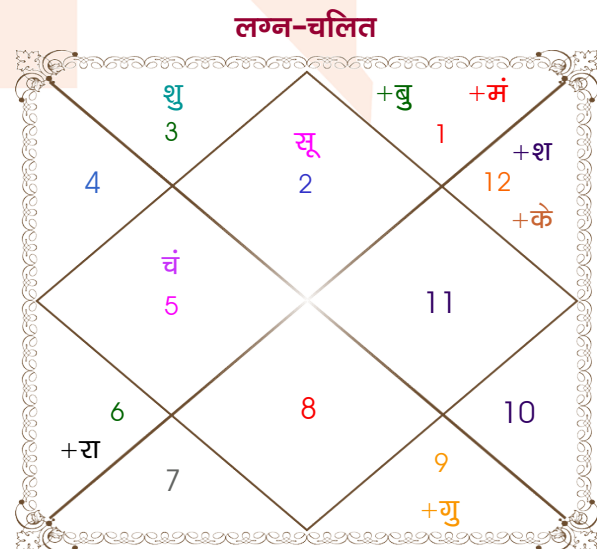
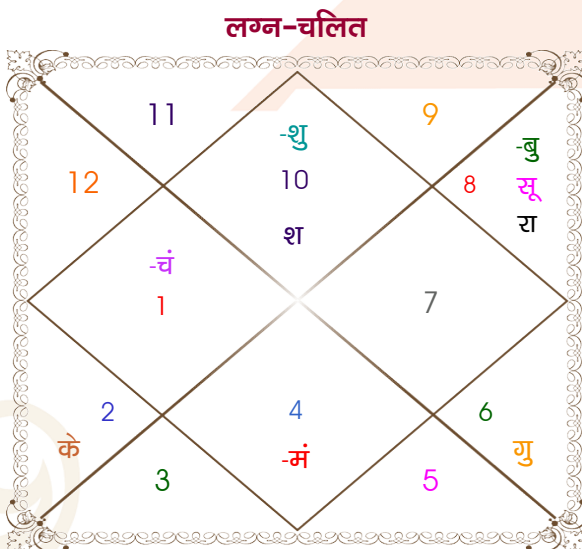
Ms.Meena kumari Sahi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120255109

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 07/12/1992 : _____ जन्म तिथि _____ 24-25/05/1996
 सोमवार : _____ दिन _____ शुक्र-शनिवार
 घंटे 10:15:00 : _____ जन्म समय _____ 04:30:00 घंटे
 घटी 10:26:56 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 59:01:23 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Kolkata : _____ स्थान _____ Gopalganj
 22:34:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 26:28:00 उत्तर
 88:21:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 84:26:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:23:24 : _____ स्थानिक संस्कार _____ 00:07:44 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:04:13 : _____ सूर्योदय _____ 05:01:40
 16:51:54 : _____ सूर्यास्त _____ 18:36:50
 23:45:46 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:48:28

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 14वर्ष 3मा 16दि		22:48:30	मक	लग्न	वृष	00:36:17	केतु 5वर्ष 3मा 24दि	
मंगल		21:34:34	वृश्चि	सूर्य	वृष	10:13:22	सूर्य	
25/03/2023		17:08:11	मेष	चंद्र	सिंह	03:12:26	17/09/2021	
25/03/2030		03:23:30	कर्क व	मंगल	मेष	22:40:50	18/09/2027	
मंगल	21/08/2023	01:03:23	वृश्चि	बुध व	मेष	26:08:05	सूर्य	05/01/2022
राहु	08/09/2024	16:52:03	कन्या	गुरु व	धनु	23:12:23	चन्द्र	07/07/2022
गुरु	15/08/2025	04:25:23	मक	शुक्र व	मिथु	04:02:52	मंगल	11/11/2022
शनि	24/09/2026	20:15:48	मक	शनि	मीन	11:10:45	राहु	06/10/2023
बुध	21/09/2027	27:45:21	वृश्चि व	राहु व	कन्या	22:06:02	गुरु	24/07/2024
केतु	17/02/2028	27:45:21	वृष व	केतु व	मीन	22:06:02	शनि	06/07/2025
शुक्र	18/04/2029	22:29:57	धनु	हर्ष व	मक	10:40:11	बुध	13/05/2026
सूर्य	24/08/2029	23:42:12	धनु	नेप व	मक	03:46:27	केतु	18/09/2026
चन्द्र	25/03/2030	29:58:56	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	07:52:05	शुक्र	18/09/2027



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.Akash kr. Singh का वर्ग मृग है तथा Ms.Meena kumari Sahi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Akash kr. Singh और Ms.Meena kumari Sahi का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Akash kr. Singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः ।
कुजदोषो न विद्यते ।।**

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.Akash kr. Singh कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः ।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Akash kr. Singh कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Meena kumari Sahi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है ।

क्योंकि मंगल Ms.Meena kumari Sahi कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है ।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है ।

क्योंकि मंगल Ms.Meena kumari Sahi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है ।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है ।

क्योंकि शनि Ms.Meena kumari Sahi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है ।

क्योंकि राहु Mr.Akash kr. Singh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

Mr.Akash kr. Singh तथा Ms.Meena kumari Sahi में मंगलीक मिलान ठीक है ।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है ।